धनदायक वस्तु है नागकेसर

यह एक बहुत ही पवित्र और प्रभावशाली वनस्पति है। इसे 'नागकेसर' अथवा नागेश्वर' भी कहते है। कालीमिर्च के समान गोल, कबाबचीनी की भाँति दाने में डण्डी भी लगी हुई, गेरू के रंग का यह गोल फूल घुण्डीनुमा होता है। यह फूल गुच्छों में फूलता है, पकने पर गेरू के रंग का हो जाता है। यद्यपि यह सामान्य वनस्पति है, यह कहीं-कहीं जंगलों में अपने आप उगती है, फिर भी सामान्यतः प्राप्त नहीं होती। शौकीन लोग इसके पौधे फुलवारी में लगाते हैं। मेंहदी का पौधा देखिये-ठीक उसी के फूलों की भाँति 'नागकेसर' के गुच्छे होते हैं। इसकी गणना-सुगन्धित और पूजा-पाठ के लिए पवित्र पदार्थों में की जाती है। आयुर्वेद की दृष्टि से यह पोषक, सौन्दर्य-वर्द्धक और कीटाणु-नाशक होती है।

अध्यात्म के क्षेत्र में 'नागकेसर' को बहुत उच्च स्थान प्राप्त है। शिवजी को यह बहुत प्रिय है। तान्त्रिक-साधना में भी इसके विविध प्रयोगों का वर्णन मिलता है।

धन प्राप्ति प्रयोग- जिस किसी पूर्णिमा को सोमवार हो उस दिन यह प्रयोग करें। कहीं से नागकेसर के फूल प्राप्त करें। किसी भी मन्दिर में शिवलिंग पर पाँच बिल्वपत्रों के साथ यह फूल भी चढ़ा दीजिये। इससे पूर्व शिवलिंग को कच्चे दूध, दही, घी, शहद, शक्कर, गंगाजल आदि से धोकर पवित्र करें। यह क्रिया अर्थात् पाँच बिल्वपत्रों तथा नागकेशर के फूल (संख्या प्रत्येक बार एक ही रखनी है।) अगली पूर्णिमा तक निरन्तर चढ़ाते रहें। इस पूजा में एक दिन की भी अनुपस्थिति नहीं होनी चाहिए। ऐसा होने पर आपकी पूजा खण्डित हो जायेगी। आपको यह फिर किसी पूर्णिमा के दिन पड़ने वाले सोमवार को प्रारम्भ करने तक प्रतीक्षा करनी पड़ेगी। इस एक माह के लगभग जैसी भी श्रद्धाभाव से पूजा-अर्चना बन पड़े, करें। भगवान को चढ़ाए प्रसाद के ग्रहण करने के उपरान्त ही कुछ खाएँ। अन्तिम दिन चढ़ाये गये फूल तथा बिल्व पत्रों में से एक अपने साथ श्रद्धा भाव से घर ले आयें। इन्हें घर, दुकान, फैक्ट्री अथवा कहीं भी पैसे रखने के स्थान में रख दें। धन-सम्पदा, अर्जित कराने में नागकेशर के पुष्प चमत्कारी प्रभाव दिखलाते हैं।

तान्त्रिक-प्रयोग- 'नागकेसर' से अनेक प्रकार के तान्त्रिक प्रयोग सिद्ध किये जाते है। यहाँ कुछ अति सरल और शीघ्र प्रभावी प्रयोग-विधियों का उल्लेख किया जा रहा है। वैसे, दैनिक-पूजा में भी इसे प्रयुक्त किया जा सकता है।

नागकेसर पोटली- एक नवीन पीत-वस्त्र में नागकेसर, हल्दी, सुपारी, एक सिक्का, ताँबें का टुकड़ा या सिक्का, अक्षत रखकर पोटली बना लें। इस पोटली को लक्ष्मीजी के सम्मुख रखकर, धूप-दीप से पूजन करके सिद्ध कर लें, फिर आलमारी, तिजोरी, भण्डार में कहीं भी रख दें। यह परम समृद्धि दायक प्रयोग है।

मन्त्र- 'नागकेसर' के प्रत्येक प्रयोग में "ऊँ श्रीं श्रियै नमः" मन्त्र का अखण्ड जप करते रहना चाहिए।

नागकेसर और आकर्षण-

'रविपुष्य-योग' अथवा 'गुरूपुष्य-योग' या फिर अन्य किसी शुभ-मुहूर्त में, निम्नलिखित घटक (वस्तुएं) एकत्र करके खरल में कूट लें। फिर उसे कपड़छन (कपड़े से छानकर) करके घी में मिलाकर चन्दन जैसा लेप बनायें। यह लेप माथे पर लगाने से चेहरे पर कुछ ऐसी दिव्य आभा उत्पन्न हो जाती है, जो देखने वालों पर आकर्षण का प्रभाव डालती है।

प्रयोज्य वस्तुएँ इस प्रकार- नागकेसर, चमेली के फूल, कूट, तगर, कुमकुम और घी।

स्मरण रहे कि प्रातः स्नान-पूजा से निवृत्त होकर शुद्ध स्थिति में ही यह प्रयोग प्रारम्भ करना चाहिए, फिर दैनिक-पूजा के समय यह तिलक लगाते रहें। चूँकि तिलक बनाने में बहुत थोड़ी सामग्री लगती है, अतः केवल आवश्यकतानुसार ही प्रयोग करना चाहिए। यह भी हो सकता है कि पहले दिन चूर्ण तैयार करके, कपड़छान करके, घी में तर कर लें और उसे किसी प्याली या

डिब्बी में रख दें, ताकि उस पर कसाव आदि का प्रभाव न पड़े। काँच, स्टील, प्लास्टिक या चीनी-मिट्टी के पात्र में प्रयुक्त करने से तिलक का लेप कई दिनों तक सुरक्षित बना रहता है। लगातार कुछ दिनों तक नियमित रूप में इस तिलक को लगाते रहने से साधक में आकर्षण की शक्ति उत्पन्न हो जाती है।

नागकेसर स्वस्तिक तंत्र-

भोजपत्र का चौकोर टुकड़ा लेकर उस पर लाल चन्दन से स्वस्तिक बनाकर सूखने पर उस पर गोंद की मदद से नागकेसर सजा दें। फिर काष्ठ की चौकी पर नया लाल वस्त्र बिछाकर वह स्वस्तिक उस पर रखें तथा धूप दीप से पूजा कर गणपति मंत्र 'ॐ गं गणपतये नमः' का जाप करें। जाप करते समय कुछ देर तक स्वस्तिक को एकटक देखें। फिर नेत्र मूंदकर आंतरिक ध्यान करें। इस तरह अभ्यास करने से मानस पटल पर स्वस्तिक चिन्ह अंकित हो जाएगा।

फिर किसी भी शुभ मुहूर्त में विशिष्ट साधना करने से लक्ष्मी आराधक पर कृपा करती है। स्वयं गणेश भी वैभव प्रदाता हैं। अतः इस साधना से आराधक या साधक की दरिद्रता दूर होती है। इसी को त्राटक साधना भी कहा जाता है।

नागकेसर न्यूनतम मात्रा न्यौछावर 251/-

♦♦♦

नागकेसर के विशेष प्रयोग

1. दीपावली की रात्रि तांत्रिक प्रयोगों अनुष्ठानों के लिए सर्वविदित है। व्यक्ति की समयाभाव वाली कठिनाई को देखकर छोटे-छोटे प्रयोगों को ही बल दिया गया है। मेरे प्रयोग पदार्थ तंत्र पर आधारित हैं। प्रत्येक पदार्थ में कुछ न कुछ गुणधर्म निहित है। ऐसे ही लक्ष्मी को रिझाने वाले गुणधर्म से परिपूर्ण इस प्रयोग को अपना कर देखें। चांदी की एक छोटी सी ठक्कन वाली डिबिया लें। सम्भव न हो तो कोई दूसरे धातु की ले लें। इसमें ऊपर तक नागकेशर तथा शहद भरकर बंद करके दीपावली की रात्रि को अपने गल्ले या तिजोरी में रख दें। इसका फिर कुछ भी नहीं करें, अगली दीपावली तक ऐसे ही रहने दें। प्रभाव स्वयं महसूस करें।

2. नागकेशर और 5 सिक्के लेकर उन्हें दीपावली या किसी भी शुभ मुहूर्त्त पर पूजन करने के उपरांत उन्हें एक कपड़े में लपेट कर अपनी दुकान के गल्ले या अपने ऑफिस के केश बॉक्स में रखें तो धन की आवक में कमी नहीं रहेगी।

भूमि-भवन सुख पैकेट

- आज तक प्रयास करने पर भी स्वयं का आवास नहीं हो पाया है?
- बार-बार मकान खरीदते है लेकिन फिर बिक जाता हैं?
- कई बार मकान बनाने का प्रयास किया लेकिन अधूरा ही रहता है?
- जमीन है लेकिन झगड़ें में फँसी हुई हैं?
- पैतृक संपत्ति में मकान है, लेकिन मिल नहीं पा रहा?
- मकान भी है लेकिन किरायेदार कब्जा जमा कर बैठे हैं?
- भवन के लिये कर्ज का इतंजाम नहीं हो पा रहा?
- अपनें जीते जी संतान को स्वयं के आवास में देखने की इच्छा हैं?
- क्या आप भी अपने जीवन में भूमि-भवन का सुख प्राप्त करना चाहते हैं?

मनुष्य को जीवन यापन करने के लिए मात्र तीन चीजों की आवश्यकता होती है और वह है रोटी, कपड़ा और मकान। जब मनुष्य की पहली दो आवश्यकतायें सुचारू रूप से पूरी हो जाती है तो उसकी हार्दिक इच्छा होती है कि वह अपनी तीसरी आवश्यकता की तरफ कदम बढ़ाए जो एक सुंदर सलोने और स्वप्निल घर की है। वह घर, जिसका मालिक वह स्वयं हो। जिसके हर कोने को वो अपनी मर्जी से सजा सके, सुधार सके और अपनी भावनाओं के मोती उसमें पिरो सके। उसकी ये कामना कोई बहुत बड़ी नहीं कि जो पूरी नहीं हो सके। जब व्यक्ति अपने स्वयं के घर की अभिलाषा में कर्ज लेकर या अपने द्वारा जमा की गई पूंजी मकान के लिये खर्च कर देता है फिर भी वह शांति एवं सुकून की जिंदगी नहीं गुजार पाता और उसके सारे ऐशो-आराम धराशायी हो जाते हैं। आखिर ऐसी क्या कमी रह जाती है उसके संघर्ष में कि उसके द्वारा किये गये सारे प्रयास बेकार हो जाते हैं और अपने घर का सपना उसे टूटता सा महसूस होता है। अगर आप भी अपने स्वपनिल घर का सपना सजाये बैठे हैं तो आपको चिंतित होने की कोई बात नहीं है क्योंकि हम आपके लिए लाए हैं भूमि-भवन सुख पैकेट जो आपके अरमानों को सजाकर आपकी कामना पूर्ण करेगा।

इस पैकेट में आप पायेंगे– भवन लक्ष्मी कवच, श्री कुबेर यंत्र, पारद हनुमान प्रतिमा, स्फटिक माला, त्रिकोण मंगल यंत्र, आम की लकड़ी का स्वास्तिक।

न्यौछावर मात्र 3500 रुपये

आप सीधे ही बैंक एकाउन्ट में भी पैसा जमा करवा सकते हैं।

HDFC Bank A/c No. 014-225-6000-5331

(All Amount Payble at Jodhpur Account)

त्रिनेत्र सिद्धि केन्द्र

'त्रिनेत्र भवन' प्लोट नम्बर-1, महावीर नगर, गौरव पथ, पॉलिटेक्निक कॉलेज के मैन गेट के पास, जोधपुर (राज.)

फोनः 0291-2621625, 2615625, 2618625, 2440111, 2440999 टेलीफैक्सः 0291-2618625

E-mail: tantravtj@yahoo.com Visit us: fameandfortune.org